भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 244

05 दिसंबर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

स्वास्थ्य पर प्रत्येक वर्ष खर्च होने वाली राशि

244. श्री नीरज डांगीः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना और राज्य सरकारों द्वारा चलाई कई अलग-अलग बीमा योजनाओं के बावजूद देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में कोई सुधार नहीं है;
(ख) क्या सरकार के पास देश में प्रत्येक वर्ष स्वास्थ्य पर खर्च होने वाली राशि संबंधी कोई आंकड़ा है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) वर्तमान में सरकार द्वारा देश में स्वास्थ्य पर अपनी जीडीपी का कितना प्रतिशत हिस्सा खर्च किया जा रहा है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) से (ग): राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 में स्वास्थ्य परिचर्या प्रदानगी की लागत को कम करके स्वास्थ्य परिचर्या की पहुंच का विस्तार और इसकी वहनीयता में वृद्धि और साम्यता के साथ अच्छी गुणवत्तापरक स्वास्थ्य परिचर्या का प्रावधान करना परिकल्पित है। इस नीति का उद्देश्य विकास संबंधी सभी नीतियों में एक निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य परिचर्या के माध्यम से सभी आयु के लोगों के लिए अधिकाधिक संभव स्तर वाली स्वास्थ्य और आरोग्यता प्रदान करना और अच्छी गुणवत्तापरक स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच उपलब्ध कराना है जिसके परिणामस्वरूप किसी को वित्तीय जोखिम न उठाना पड़े।

सरकार ने चार मिशन मोड परियोजनाएं नामत: पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम), आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं आरोग्यता केंद्र (एबीएचडब्ल्यूसी), प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की शुरूआत की है। हाल ही में सरकार ने आयुष्मान भव अभियान शुरू किया है। 'आयुष्मान भव' अभियान व्यापक राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य परिचर्या संबंधी एक पहल है जिसका उद्देश्य देश में प्रत्येक ग्राम और शहर में स्वास्थ्य परिचर्या

सेवाओं का व्यापक कवरेज प्रदान करना है। यह अभूतपूर्व पहल आयुष्मान भारत कार्यक्रम की सफलता पर आधारित है तथा स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं में एक आदर्श परिवर्तन के महत्व को दर्शाती है।

अन्य उल्लेखनीय पहलें- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), नए एम्स की स्थापना, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के अंतर्गत सरकारी मेडिकल कॉलेजों का उन्नयन, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना करने के साथ-साथ स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान करना, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी)/ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पताल स्तर पर नि:शुल्क दवाओं और नि:शुल्क नैदानिक सुविधाओं का प्रावधान और सरकारी एम्बुलेंसों आदि की उपलब्धता में स्थायी वृद्धि करना है।

भारत राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा के उपलब्ध अनुमान के अनुसार, कुल स्वास्थ्य व्यय (टीएचई) प्रतिशत के तौर पर जेबी खर्च 64.2% (वर्ष 2013-14) से घटकर 47.1% (वर्ष 2019-20) हो गया है। इसके अलावा, कुल स्वास्थ्य व्यय (टीएचई), सरकारी स्वास्थ्य व्यय (जीएचई) और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) प्रतिशत के रूप में सरकारी स्वास्थ्य व्यय (जीएचई) का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

सूचक	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**
कुल स्वास्थ्य व्यय (टीएचई) करोड़ रु. में	4,53,106	4,83,259	5,28,484	5,81,023	5,66,644	5,96,440	6,55,822
सरकारी स्वास्थ्य व्यय (जीएचई) (करोड़ रु. में)	1,29,778	1,39,949	1,61,863	1,88,010	2,31,104	2,42,219	2,71,544
जीडीपी प्रतिशत के रूप में जीएचई	1.15%	1.13%	1.18%	1.2%	1.35%	1.28%	1.35%

*****